कलेक्ट्रेट परिसर में स्टाम्प की कालाबाजारी और कागजात बनवाने में लूट-खसोट: जनता परेशान

सतना।

जिला कलेक्ट्रेट परिसर,जो कभी आम जनता के लिए सरकारी कामकाज निपटाने का एक सुविधाजनक स्थान माना जाता था,अब स्टाम्प की कालाबाजारी और कागजात बनवाने में लूट-खसोट का गढ़ बनता जा रहा है। यहां आने वाले लोगों को अपनी छोटी से छोटी जरूरत के लिए भी दलालों और बिचौलियों के जाल में फंसना पड़ रहा है,जिससे उनका समय और पैसा दोनों बर्बाद हो रहे हैं। कलेक्ट्रेट परिसर में मौजूद वेंडर और कुछ अनाधिकृत व्यक्ति स्टाम्प पेपर को मनमाने दामों पर बेच रहे हैं। 10 रुपये का स्टाम्प पेपर 20-30 रुपये में,और 100 रुपये का स्टाम्प 150-200 रुपये में खुलेआम बेचा जा रहा है। मजबूरी में लोगों को ये महंगे स्टाम्प खरीदने पड़ रहे हैं,क्योंकि वैध तरीके से स्टाम्प उपलब्ध नहीं होते या उनकी प्रक्रिया इतनी जटिल होती है कि आम आदमी के लिए उसे पूरा कर पाना मुश्किल हो जाता है।

अधिकारी सब जानकर भी अनजान

यह गोरखधंधा दिनदहाड़े कलेक्ट्रेट परिसर में चल रहा है,लेकिन अधिकारी इस पर कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। ऐसा लगता है कि या तो वे इस समस्या से अनजान हैं,या फिर जानबूझकर इसे अनदेखा कर रहे हैं। शिकायत करने पर भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती,जिससे दलालों के हौसले और बुलंद हो गए हैं। कई बार तो दलालों और उपभोक्ताओं के बीच बहस और झगड़े की स्थिति भी निर्मित हो जाती है। स्टाम्प की कालाबाजारी के अलावा,विभिन्न प्रकार के कागजात बनवाने में भी लूट-खसोट चरम पर है। आय प्रमाण पत्र,निवास प्रमाण पत्र,जाति प्रमाण पत्र,और नामांतरण जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेजों को बनवाने के लिए लोगों से तय शुल्क से कई गुना ज्यादा वसूला जा रहा है। आवेदकों को अक्सर बताया जाता है कि उनका काम जल्दी करवाने के लिए अतिरिक्त शुल्क देना होगा,जबकि वास्तव में यह एक प्रकार की जबरन वसूली होती है। कई बार तो सीधे-साधे लोगों को फर्जी कागजात देकर भी ठगा जा रहा है।

जनता की जेब पर सीधा डाका

इस स्थिति से सबसे ज्यादा प्रभावित गरीब और अशिक्षित वर्ग के लोग हो रहे हैं,जिन्हें नियमों और प्रक्रियाओं की जानकारी नहीं होती। उन्हें अपनी मेहनत की कमाई का एक बड़ा हिस्सा इन बिचौलियों और दलालों की भेंट चढ़ाना पड़ रहा है।यह सीधे तौर पर आम जनता की जेब पर डाका है और सरकारी व्यवस्था पर एक बड़ा प्रश्नचिह्न लगाता है। स्थानीय निवासियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने जिला प्रशासन से इस गंभीर समस्या पर तत्काल संज्ञान लेने और कालाबाजारी एवं लूट-खसोट में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। यह देखना होगा कि प्रशासन कब इस अवैध धंधे पर लगाम लगाता है और कलेक्ट्रेट परिसर को आम जनता के लिए भयमुक्त और सुविधाजनक बनाता है।

रेलवे की जनरल टिकट खिड़की पर कर्मचारियों की अभद्र भाषा शैली से यात्री परेशान

सतना।

रेलवे स्टेशन पर जनरल टिकट खिड़की पर कार्यरत कर्मचारियों की अभद्र भाषा शैली और अप्रिय व्यवहार से यात्री भारी परेशानी का सामना कर रहे हैं। यात्रियों का आरोप है कि टिकट लेने के दौरान उनसे कर्मचारियों द्वारा ठीक से बात नहीं की जाती और कई बार तो अपशब्दों का भी प्रयोग किया जाता है,जिससे उन्हें मानसिक उत्पीड़न झेलना पड़ता है। पिछले कुछ समय से यह शिकायतें लगातार बढ़ती जा रही हैं।यात्रियों का कहना है कि टिकट काउंटर पर कर्मचारियों का रवैया बेहद रूखा होता है। छोटे से सवाल पर भी वे झुंझला जाते हैं और ठीक से जवाब नहीं देते।कई बार तो यह भी देखने को मिला है कि बुजुर्ग यात्रियों या महिलाओं के साथ भी उनका व्यवहार सम्मानजनक नहीं होता,जिससे यात्री असहज महसूस करते हैं। एक नियमित यात्री रमेश चंद्र द्विवेदी ने बताया,मैं अक्सर सतना से यात्रा करता हूँ,लेकिन जनरल टिकट खिड़की पर हर बार एक नया अनुभव होता है। कर्मचारी बात-बात पर गुस्सा हो जाते हैं और ऐसा लगता है जैसे वे यात्रियों पर कोई एहसान कर रहे हों। साधारण जानकारी पूछने पर भी वे ठीक से नहीं बताते और झल्लाते रहते हैं। इसी तरह,एक अन्य यात्री,श्रीमती सुनीता देवी ने अपनी आपबीती सुनाते हुए कहा,कल मैं टिकट लेने गई थी और मैंने ट्रेन के बारे में कुछ पूछा,तो कर्मचारी ने इतने खराब तरीके से जवाब दिया कि मुझे बहुत बुरा लगा। हमें ऐसा महसूस होता है कि हम उनसे भीख मांग रहे हैं,जबकि यह उनका कर्तव्य है कि वे यात्रियों को सही जानकारी दें और उनसे विनम्रतापूर्वक बात करें।यात्रियों ने रेलवे प्रशासन से इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने और कर्मचारियों को उचित व्यवहार तथा भाषा शैली का प्रशिक्षण देने की मांग की है।उनका कहना है कि यदि कर्मचारियों के व्यवहार में सुधार नहीं होता है,तो इससे न केवल रेलवे की छवि खराब होगी, बल्कि यात्रियों को भी अनावश्यक परेशानी उठानी पड़ेगी। रेलवे अधिकारियों को इस गंभीर समस्या पर ध्यान देना चाहिए और सुनिश्चित करना चाहिए कि यात्रियों को एक सुखद और सम्मानजनक अनुभव मिल सके।

खबर संक्षेप

कंचन श्रीवास्तव को डीईओ का प्रभार

सतना। लोक शिक्षण संचनालय आयुक्त मध्यप्रदेश द्वारा जारी आदेशानुसार लाल कामदराज सिंह शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पतौरा की प्राचार्य कंचन श्रीवास्तव को सतना का प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी बनाया गया है। यह प्रभार प्रशासकीय कार्य सुविधा की दृष्टि से श्रीमती श्रीवास्तव को सौंपा गया है। गौरतलब है कि बतौर प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी जिम्मेदारी संभाल रहे सहायक संचालक तरुणेंद्र प्रताप सिंह को डाइट प्राचार्य रीवा बनाकर स्थानांतरित कर दिया गया था। जिसके बाद से जिला शिक्षा अधिकारी का प्रभार डीपीसी विष्णु त्रिपाठी संभाल रहे थे।

शासकीय माध्यमिक शाला पोड़ी में हुआ स्वागत

सतना जिले की प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी कंचन श्रीवास्तव को प्रभार मिलने के बाद प्रथम स्वागत उचेहरा जनपद क्षेत्र के शासकीय माध्यमिक शाला पोड़ी में टीका लगाकर व पुष्पगुच्छ भेंटकर किया गया। इस दौरान शिक्षक अवधेश सिंह की सेवानिवृत्ति पर विद्यालय परिवार की ओर से सम्मान सह विदाई समारोह का आयोजन भी किया गया। इसके उपरांत छात्र-छात्राओं को चाकलेट प्रदान किया।

पेंशनर्स संघों ने राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन, एकजुटता का किया आह्वान

सतना। मध्यप्रदेश शासन के प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन और विद्युत पेंशनर्स हित रक्षक संघ ने संयुक्त रूप से महामहिम राज्यपाल के नाम एक ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन जिलाध्यक्ष के प्रतिनिधि आर.एल. जांगड़े ने रघुराज नगर के एस.डी.एम. को प्रदान किया। दोनों संगठनों ने भविष्य के कार्यक्रमों में एक-दूसरे का साथ देने की घोषणा करते हुए अपनी संख्या बल बढ़ाने पर जोर दिया। इस पहल से पेंशनर्स समुदाय में एकजुटता और भविष्य की साझा रणनीतियों को बल मिलेगा।

सिंगल यूज प्लास्टिक पर की गई कार्यवाही

सतना। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस के निर्देश पर मंगलवार को सिंगल यूज प्लास्टिक को प्रतिबंधित करने के उद्देश्य से नगर परिषद जैतवारा की टीम द्वारा पॉलीथिन की थैलियों व सिंगल यूज प्लास्टिक को बंद करने के उद्देश्य से चलाया गया। इस दौरान नगर परिषद जैतवारा द्वारा बाजार में बड़े स्तर पर चालान काटो अभियान भी चलाया गया। इसके बाद सीएमओ पंजाब सिंह और नगर परिषद टीम द्वारा एक दर्जन से अधिक दुकानों से लगभग 13 किलोग्राम पॉलिथीन जप्ती पर 4 हजार रूपये का जुर्माने की राशि भी जमा की गई। साथ ही दुकानदारों को पॉलीथीन के स्थान पर कपड़ों के थैलों का प्रयोग करने की सलाह दी गई।

सतना कृषि उपज मंडी में चोरी का तांडव: किसान परेशान, मिलीभगत की आशंका

सतना।

कृषि उपज मंडी इन दिनों चोरों के आतंक से जूझ रही है। बीते कुछ समय से मंडी में लगातार चोरी की घटनाएं सामने आ रही हैं,जिससे किसानों और व्यापारियों में भारी आक्रोश और हड़कंप मचा हुआ है। चोरी की एक वारदात सामने आने के बाद व्यापारियों ने जमकर हंगामा किया और पुलिस प्रशासन पर मिलीभगत का आरोप लगाया।जानकारी के अनुसार,सुबह मंडी खुलने के बाद एक व्यापारी ने अपनी दुकान से कृषि उत्पाद गायब पाए।यह घटना पहली नहीं है। पिछले एक महीने में मंडी से अनाज,दालें और अन्य कीमती कृषि उत्पादों की चोरी के कई मामले दर्ज किए जा चुके हैं,लेकिन पुलिस अभी तक किसी भी चोर गिरोह को पकड़ने में नाकाम रही है। किसानों का कहना है कि वे अपनी खून-पसीने की कमाई लेकर मंडी आते हैं और यहां भी उन्हें अपनी उपज की सुरक्षा की चिंता सताती रहती है।व्यापारियों ने आरोप लगाया है कि मंडी में सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह से लचर है। पर्याप्त संख्या में सुरक्षाकर्मी तैनात नहीं हैं और जो हैं,उनकी भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। उनका कहना है कि चोरी की घटनाओं के पीछे मंडी के कुछ कर्मचारियों और पुलिस की मिलीभगत हो सकती है, क्योंकि बिना अंदरूनी जानकारी के इतनी बड़ी चोरियों को अंजाम देना संभव नहीं है। उन्होंने बताया कि कई बार शिकायत करने के बावजूद प्रशासन कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा है। चोरी के बाद मंडी के व्यापारियों ने एकजुट होकर प्रदर्शन किया। उन्होंने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और चेतावनी दी कि अगर जल्द ही चोरों को पकड़ा नहीं गया और सुरक्षा व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया,तो वे अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे। इस हंगामे के चलते कुछ देर के लिए मंडी का कामकाज भी प्रभावित हुआ। स्थानीय पुलिस प्रशासन ने आरोपों को खारिज करते हुए जांच जारी होने की बात कही है। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि जल्द ही चोरों को पकड़ लिया जाएगा और मंडी में सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता किया जाएगा। हालांकि,किसानों और व्यापारियों में प्रशासन के इन खोखले आश्वासनों पर विश्वास कम ही दिख रहा है। मंडी में पसरा यह भय और अविश्वास कृषि व्यापार के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है। जब तक चोरों को पकड़ा नहीं जाता और मंडी में सुरक्षित माहौल बहाल नहीं होता,किसानों और व्यापारियों की परेशानी बनी रहेगी।

जिले में समस्याओं का अंबार: जनसुनवाई में उमड़ी भीड़, अधिकारी बेपरवाह?

सतना।जिले में इन दिनों आम जनता की समस्याएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं,जिसका जीता-जागता प्रमाण मंगलवार को जिला मुख्यालय पर आयोजित जनसुनवाई में देखने को मिला। अपनी फरियाद लेकर पहुंचे नागरिकों की लंबी कतारें जिला कलेक्ट्रेट परिसर में रहीं,जो यह दर्शाती हैं कि जमीनी स्तर पर समस्याओं का अंबार लगा हुआ है। बिजली-पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं से लेकर सड़क, स्वास्थ्य और रोजगार से जुड़ी शिकायतों तक,हर वर्ग के लोग अपनी पीड़ा सुनाने के लिए घंटों इंतजार करते रहे। कई लोगों ने आरोप लगाया कि स्थानीय स्तर पर उनकी शिकायतों पर कोई सुनवाई नहीं होती,जिसके कारण उन्हें हर बार जिला मुख्यालय तक आना पड़ता है। जनसुनवाई में उमड़ी यह भीड़ न केवल प्रशासनिक उदासीनता पर सवाल उठाती है,बल्कि यह भी बताती है कि नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए कितना संघर्ष करना पड़ रहा है। देखने वाली बात होगी कि इन समस्याओं पर प्रशासन कितनी गंभीरता से विचार करता है।

जमीन विवाद के ज्यादा मामले

जनसुनवाई में जमीन विवाद के ज्यादा मामले सामने आए।जिसमें नामांतरण,बटवारा के अलावा जमीन से जुड़े कई प्रकरण अधिकारियों ने सुने। एक आवेदक ने बताया कि वह पिछले कई महीने से चक्कर लगा रहा है लेकिन उसकी समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है।

पंचायतों के अधिकारों के हनन पर भड़के प्रतिनिधि, दी आंदोलन की चेतावनी

मैहर। *मध्यप्रदेश राज्य पंचायत परिषद ने मैहर में आयोजित प्रेस वार्ता और पंचायत महासम्मेलन में राज्य सरकार पर पंचायतों के प्रति उदासीनता का आरोप लगाते हुए कड़ी नाराजगी व्यक्त की। परिषद के प्रदेश महासचिव शीतल शंकर विजय त्रिपाठी ने कहा कि सरकार की नीतियां पंचायतों की स्वायत्तता को कमजोर कर रही हैं। उन्होंने घोषणा की कि 23 जुलाई 2024 से 28 जुलाई तक पंचायत अधिकार संरक्षण सप्ताह मनाया जाएगा,जिसके तहत प्रदेशव्यापी जागरूकता और विरोध अभियान चलेगा। त्रिपाठी ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने संवेदनशीलता नहीं दिखाई,तो एक बड़ा आंदोलन शुरू किया जाएगा,क्योंकि शिक्षा,स्वास्थ्य और सड़क जैसे क्षेत्रों में पंचायतों की निर्णायक भूमिका नहीं है।*

मंगलवार को नगर निगम में जनसुनवाई में सुनी गई लोगों की समस्याएं

सतना। म.प्र. शासन निर्देशानुसार नगर पालिक निगम में प्रति मंगलवार प्रातः 11 बजे से 01 बजे तक जनसुनवाई का कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। इसी क्रम में प्रातः 11 बजे जनसुनवाई नगर निगम के बड़े मीटिंग हॉल में प्रारंभ हुई।जनसुनवाई के अवसर योगेश ताम्रकार महापौर नगर पालिक निगम,शेर सिंह मीना आयुक्त,नगर पालिक निगम,राजेश चतुर्वेदी अध्यक्ष (स्पीकर) नगर पालिक निगम उपस्थित रहे। जन-सुनवाई में 37 आवेदन प्राप्त हुए। जिनकी विभागवार जानकारी सम्पत्ति कर से संबंधित 01 आवेदन,अतिक्रमण से संबंधित 05आवेदन,पेयजल से संबंधित 05 आवेदन,विकास कार्य से संबंधित 14 आवेदन एवं प्रधानमंत्री आवास योजना के 12 आवेदन प्राप्त हुए। प्रस्तुत आवेदनों पर प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को उनके आवंटन,आवेदनों में कमियों एवं आवेदनों की अद्यतन स्थिति की जानकारी से अवगत कराया गया। विकास कार्यों,अतिक्रमण के लिए आवेदनों का स्थल निरीक्षण कर कार्यवाही के विधिवत प्रस्ताव प्रस्तुत किए जाने के निर्देश प्रदान किए गए। आयुक्त,नगर पालिक निगम सतना द्वारा शहरवासियों को अवगत कराया गया है कि यह जनसुनवाई अगले मंगलवार को पुनः आहुत की जाएगी। साथ ही साथ जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों की प्रकरणवार समीक्षा भी की जा रही है। ताकि शहरवासियों की जनसुनवाई में आने का उद्देश्य सफल हो सके। यह जानकारी जनसंपर्क अधिकारी धीरज कुमार मिश्रा ने दी।

लोकल यूथ महासंघ ने मानदेय और पहचान पत्र के लिए कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

मैहर। लोकल यूथ महासंघ के ब्लॉक अध्यक्ष बृजेंद्र कुशवाहा और सचिव विनय कुशवाहा ने मंगलवार को कलेक्टर से मुलाकात कर विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। उन्होंने जनसुनवाई में अपना आवेदन भी दर्ज कराया। ज्ञापन में बताया गया कि जुलाई 2024 में भू-अभिलेख पोर्टल पर प्रत्येक पटवारी हल्के में फसल गिरदावरी के लिए लोकल यूथ की भर्ती ऑनलाइन माध्यम से की गई थी। इन युवाओं ने खरीफ,रबी और जायद की गिरदावरी के साथ-साथ फार्मर रजिस्ट्री का कार्य भी पूरी ईमानदारी से किया है,लेकिन अभी तक उन्हें रबी गिरदावरी और फार्मर रजिस्ट्री का मानदेय नहीं मिला है। इसके अलावा,उन्हें आईडी कार्ड भी नहीं दिए गए हैं,जिससे कार्य करने में काफी परेशानी होती है। प्रत्येक गिरदावरी सीजन में नई भर्ती के लिए पोर्टल शुरू होने से पुराने सर्वेयर का भविष्य खतरे में है। कलेक्टर ने उनकी समस्याओं के शीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया।ज्ञापन सौंपते समय राहुल कुमार वर्मा,पवन मिश्रा,समीप कुमार कुशवाहा सहित कई लोकल यूथ सदस्य मौजूद थे।

सड़क निर्माण कार्य का भूमि पूजन

सतना। *महापौर योगेश ताम्रकार द्वारा वार्ड क्रमांक 16 के विभिन्न स्थलों पर कुल राशि 50.78 लाख रुपए के पेवर्स रोड निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। इस कार्यक्रम में राजेश चतुर्वेदी,स्पीकर नगर पालिक निगम ग़ोपी गेलानी,अध्यक्ष निर्माण विभाग,श्रीमती सुनीता सुरेन्द्र चौधरी,वार्ड पार्षद एवं वरिष्ठ समाजसेवी ब्रिगेडियर देवेन्द्र प्रताप सिंह के साथ बड़ी संख्या में वार्ड के नागरिक उपस्थित रहे।*

तहसील के बाथरूम में आवंटन की भूमि के मामले में एसडीएम साहब को देने के नाम से ली गई राशि के आरोप चर्चा में

मामला शाहनगर तहसील का

एसडीएम के नाम से सुखदेव बाबू ने आवंटन कि भूमि पोर्टल पर चढ़ाने के लिए वसूले गरीब हरिजन, आदिवासियों से 24000 रूपये आदिवासियों ने बाबू के द्वारा लिये जाने का लगाया आरोप। मामला डेढ़ वर्ष पुराना। अब तक आखिर चुप्पी क्यों रही सवाल स्वयं ही खड़े हो रहे है। वर्तमान में शाहनगर एसडीएम से बात की गई मामले को लेकर देखना यह है कि सच्चाई क्या आयेगी सामने यह तो बड़ा सवाल है तहसील के बाथरूम में आदिवासियों से 24 हजार रूपये लिये जाने का मामला चर्चा में।

शाहनगर। विकासखंड शाहनगर अंतर्गत ग्राम पंचायत मलघन के चितारबरा ग्राम के हरिजन और आदिवासी टोले के दो दर्जन से अधिक लोगों ने वीते दिनों बातचीत के दौरान कैमरे में बताया कि एसडीएम कोर्ट में पदस्थ सुखदेव बाबू ने 1000 रूपये 24 लोगो से कुल 24000 रूपये तहसील के बाथरूम में आवंटन की भूमि के मामले में एसडीएम साहब को देने के नाम से लिए और भरोसा दिलाया की सभी के कार्य एक सप्ताह के भीतर हो जायेंगे इसके बावजूद आज लगभग डेढ़ साल बीत जाने के बाद भी काम पूरा नहीं हुआ जिससे नाराज ग्रामीणों ने बाबू के खिलाफ मोर्चा खोल दिया और भारी संख्या में प्रदर्शन किया। पैसे देने वालों के नाम इस प्रकार हैं रवि चौधरी पिता कल्ली चौधरी इमरती देवी पति लक्खू ज्ञानी, गुजुआ, बराती, शिमला, गिरधारी, बौरा, सरजू, जगतलाल, बुद्धू, सोनेलाल, इन सभी लोगों ने सामूहिक बातचीत के दौरान शासन प्रशासन से गुहार लगाई कि या तो हम गरीब हरिजन आदिवासियों के पैसे वापस कराए जाएं नहीं तो हमें भूमि पर कब्जा दिया जाए। शाहनगर विकासखंड में ऐसे मामले लगातार सामने आ रहे हैं जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि क्षेत्र की जनता का शोषण किस हद तक हो रहा है सरकारी कार्यालयों में खुलेआम दलाली के माध्यम से कार्य जारी हैं पैसा देने पर काम तुरंत निपटा दिए जाते है और नहीं देने पर फाइल लटका दी जाती शाहनगर विकासखंड में सबसे अधिक भ्रष्टाचार होने का सबसे बड़ा कारण जिला मुख्यालय से लगभग 100 किलोमीटर की दूरी है जिससे गरीब हरिजन आदिवासी अपनी शिकायत बड़े अधिकारियो तक नहीं पहुंचा पाते हैं जिसका फ़ायदा यहां पदस्थ अधिकारी और कर्मचारियों द्वारा भरपूर उठाया जा रहा है।

इनका कहना है-

लिपिक सुखदेव सिंह जिनके ऊपर आरोप लगाया गया है इनसे बात की गई तो इनका कहना है कि जनपद सदस्य मोनू द्विवेदी के द्वारा इन लोगों को मेरे पास भेजा गया था इन्हें दावा पेश करने के लिए मेरे द्वारा एडवोकेट रविकांत जी के पास भेजा गया था मेरे द्वारा कोई पैसे नहीं लिये गये और न ही एसडीएम के नाम पर कोई पैसे लिये गये। वकील ने अपनी फीस तय की हो यह तो यही जाने।

सुखदेव सिंह लिपिक तहसील दशाहनगर

मामला मेरे संज्ञान में अभी आया है कि इस मामले को लेकर पड़ताल की जायेगी जिससे कार्यवाही को अंजाम दिया जायेगा।

श्रुति अग्रवाल एस.डी.एम. शाहनगर

खबर संक्षेप

क्षत्रिय करणी सेना ने हरदा घटना को लेकर अमानगंज तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

अमानगंज। क्षत्रिय करणी सेना प्रदेश अध्यक्ष इन्दल सिंह राणा जी के दिशा निर्देशन पर क्षत्रिय करणी सेना पन्ना एवं सर्व समाज द्वारा मध्यप्रदेश के हरदा में शान्ति पूर्ण मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन कर रहे राजपूत समाज करणी सेना अन्य नागरिको पर एवं राजपूत समाज के छात्रावास में पुलिस ने घुसकर बर्बर पूर्वक लाठी चार्ज कर मारपीट की गई जिसमें कई लोग घायल हुए।इस घटना की न्यायिक जांच हेतु दिनांक 22जुलाई 2025 दिन मंगलवार को समय दोपहर 12.30 बजे तहसील अमानगंज में तहसीलदार को दिया जावेगा ज्ञापन देने वालों में क्षत्रिय करणी सेना के संरक्षक भभूत सिंह एवं कमल प्रताप सिंह राजपूत अध्यक्ष सहित समस्त पदाधिकारी, क्षत्रिय राजपूत समाज के पदाधिकारी सामाजिक कार्यकर्ता एवं सर्व समाज के जागरूक सामाजिक कार्यकर्ताओं सम्मिलित हुए।

मंगलवार के दिन भी पंचायतों में लटका रहता है ताला, कागजों पर हो रही जनसुनवाई

गुनौर। जनपद मुख्यालय से महज़ कुछ ही कि.मी. की दूरी पर ग्राम पंचायत कचनारा में जन सुनवाई के दिन कर्मचारी न पहुंचने से पंचायत में आवेदन ले कर भटकते रहे जिले की सभी पंचायतों में मंगलवार का दिन कलेक्टर पन्ना ने निर्धारित किया है जिससे लोगों को आवेदन देने के लिए जिला मुख्यालय न भटकना न पड़े। वहीं जोधनटोला निवासी भजन पटेल नाम के व्यक्ति ने बताया कि पंचायत भवन में आवेदन ले कर गया था जहां ताला लगा होने के कारण आवेदन नहीं दे पाया उम्मीद है कलेक्टर इसको संज्ञान में लेंगे।

अग्रणी महाविद्यालय के प्राचार्य ने किया आकस्मिक निरीक्षण

पन्ना। प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस छत्रसाल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पन्ना के प्राचार्य डॉ एसडी चतुर्वेदी ने आज दिनांक 22 जुलाई 2025 को अपने अधीनस्थ महाविद्यालयों का आकस्मिक निरीक्षण किया। सर्वप्रथम पन्ना शहर में स्थित कन्या शासकीय महाविद्यालय इसके उपरांत शासकीय महाविद्यालय खोरा एवं शासकीय महाविद्यालय अजयगढ़ का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। उपरोक्त सभी महाविद्यालयों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति पंजी, सार्थक ऐप द्वारा उपस्थित की जानकारी, कैश बुक एवं प्रयोगशाला कक्ष का निरीक्षण किया गया तथा शासकीय कन्या महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ गिरिजेश शाक्य से नवनिर्मित भवन पर विस्तृत चर्चा की गई। शासकीय महाविद्यालय अजयगढ़ के प्राचार्य डॉ

अरविल कुजूर के साथ बैठकर महाविद्यालय की संपूर्ण जानकारी लिया। अतः उक्त महाविद्यालयों के प्राचार्यो को आवश्यक दिशा निर्देश के साथ महाविद्यालय को व्यवस्थित ढंग से चलाने के लिये निर्देशित किये।

पुलिस अधीक्षक पन्ना की अभिनव पहल, जारी किया गया एक विशेष क्यूआर कोड

पन्ना। मध्यप्रदेश के पन्ना जिले में पुलिस थानों की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता लाने व जन सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस अधीक्षक साईं कृष्ण एस. थोटा ने अभिनव पहल की है। उनके द्वारा जिले के सभी थाना एवं पुलिस कार्यालयों मे आगंतुकों की सुविधा एवं पारदर्शिता बढ़ाने के उद्देश्य से एक विशेष क्यूआर कोड (फत ब्वकम) जारी किया गया है। इस क्यूआर कोड को प्रत्येक पुलिस थाने एवं कार्यालयों में चस्पा किया जा रहा है, जिसे नागरिक अपने मोबाइल से स्कैन कर निम्न कार्य कर सकते हैं - अपनी शिकायतें सीधे पुलिस अधीक्षक, पन्ना तक पहुँचा सकते हैं। थानों में शिकायत दर्ज कराने में आने वाली समस्याओं की जानकारी दे सकते हैं। पुलिस द्वारा किए गए दुर्व्यवहार या अनुचित व्यवहार की सूचना दे सकते हैं। अच्छा कार्य करने वाले कर्मियों के नाम भेजकर उनकी सराहना कर सकते हैं। किसी कार्यवाही में अनुचित विलंब, अनावश्यक टालमटोल या अन्य किसी असुविधा के बारे में भी नागरिक इस माध्यम से अपनी शिकायत या राय दर्ज करा सकते हैं। साथ ही अनेक अन्य विषयों पर भी अपनी प्रतिक्रिया, समस्या या सुझाव साझा किए जा सकते हैं जो पुलिसिंग से संबंधित हैं। इस पहल का उद्देश्य पुलिस और आमजन के बीच संवाद को मजबूत करना, पुलिस कार्यवाही मे तेजी लाना एवं कानून व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाना है। पन्ना पुलिस द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि वे इस सुविधा का अधिकतम लाभ लें एवं एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें।

नशा मुक्ति जन जागरूकता अभियान को लेकर पुलिस की हो रही प्रशंसा

सिमरिया। मध्य प्रदेश पुलिस के द्वारा 15 जुलाई से 30 जुलाई तक नशा मुक्ति जन जागृति अभियान चलाया जा रहा है। सिमरिया पुलिस के द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर चलाए गए अभियान की ग्रामवासी प्रशंसा कर रहे इसी कड़ी में बलवान सिंह ने कहा मैंने सिमरिया पुलिस का नशा मुक्ति कार्यक्रम देखा और नशा छोड़ने का निर्णय लिया आज परिवार खुशहाल है पैसों की बचत भी हो रही है सिमरिया क्षेत्र के जनप्रतिनिधि भारतीय जनता पार्टी के मंडल अध्यक्ष लोकेंद्र प्रताप सिंह ने कहा नशे से सामाजिक आर्थिक शारीरिक क्षति पहुंचती है मध्य प्रदेश पुलिस के द्वारा चलाया जा रहा नशा मुक्ति अभियान की में सरायना करता हूं पुलिस के द्वारा कहानी के माध्यम से समझाया गया एक पिता की दो संताने थी एक दिन भर नशा करता रहता था दूसरा लड़का मेहनत करता रहता था मेहनत करने वाला लड़का अधिकारी बना और नशा करने वाला लड़के का नशे में एक्सीडेंट हो गया इसलिए नशे से दूरी जरूरी है।

जिले में मध्य प्रदेश शासन/ मजिस्ट्रेट लिखे वाहनों का जमकर हो रहा दुरुपयोग?

निजी वाहनों में मध्यप्रदेश शासन लिखकर रात्रि हो या दिन बिना अधिकारी के कुछ भी घटित होगा तो जिम्मेदार कौन? आखिर जो वाहन शासकीय अधिकारियों के द्वारा लगाये जाते है वहीं उन्हें खुलेआम छूट प्रदान करने के लिए हालात जिले में जनचर्चा में।

पन्ना। मध्य प्रदेश सरकार में सूबे के नये निजाम की आमद जनकल्याणकारी योजनाओं के साथ भले ही हो गई हो। और मानवीय संवेदनाओं के प्रति सजग रहने वाले सूबे के मुखिया ने कई उद्दंड अधिकारियों को उनका घर का रास्ता दिखा दिया है। मगर गुनौर में बेपरवाह लापरवाह भ्रष्ट किस्म के अधिकारी कर्मचारी अपने तानाशाह रवैया से बाज नहीं आ रहे है? जिसकी यह परिणीति है कि जिसको देखो वही अपने निजी वाहन में मध्य प्रदेश शासन तो कोई मजिस्ट्रेट लिखकर तो कोई हूटर बजाकर आम जनता को चमका रहा है, भले ही मध्य प्रदेश शासन लिखे हुए सूरमा वहां बैठे हुए अधिकारी ना हो, मगर फिर भी मध्य प्रदेश शासन का रुतबा उनकी लिखावट के आधार पर वह खुद हांक रहे हैं। और सरकारी कानून हांफने लगा है। तो क्या जनता का यह सवाल है कि आखिर इनकी जांच क्यों नहीं होती है। कहीं ऐसा तो नहीं की आरटीओ विभाग खुद उनकी लापरवाही को देखने की बावजूद भी आंख में पट्टी बांधकर काम कर रहा हो तभी तो मध्य प्रदेश शासन लिखे वाहन का नातो टैक्सी परमिट है और ना ही शासकीय गाइडलाइन और शर्तों नियमों के मुताबिक उनके वाहनों का संचालन हो रहा है जिससे जनता काफी नाराज है।

एक नजर गुनौर में मध्य प्रदेश शासन लिखने के रिवाज पर -

शासकीय नियमों के मुताबिक माननीय उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार एवं भारत सरकार की गाइड लाइन पर नजर डालें तो किसी भी वाहन को शासकीय कार्य में लगाने के लिए बाकायदा नियम और शर्तें निर्धारित की गई हैं मगर यहां तो काम उल्टा चल रहा है? किसी भी शासकीय कर्मचारी और अधिकारी ने अगर अपना कोई पुराना खटारा वाहन खरीद लिया तो सबसे पहले उस वाहन में वह मध्य प्रदेश शासन जरूर लिख लेता है भले ही मध्य प्रदेश शासन लिखने के पूर्व किसी प्रकार का प्रयोजन और आधिकारिता या अथॉरिटी लेटर या कार्ड भले ही ना हो। शाहवानों के मध्य प्रदेश शासन लिखी हुई वाहन कभी सब्जी की दुकान में खड़ा हुआ दिखाई देता है तो कभी हाट बाजार में बीच रास्ते में खड़ा हुआ दिखाई देता है कई वाहन तो ऐसे हैं कि शराब की दुकान के दरवाजे में खड़ी रहती हैं मगर कोई उफ नहीं करता। क्या मालूम कौन सा अधिकारी उसमे बैठा हो। मगर ऐसा नहीं होता है सूबे के मुखिया से आवाम की गुजारिश है कि साहब जिस तरह से हर जगह पर किसी भी प्रकार का वाहन में स्लोगन लिखने पर जांच की जाती है इस तरह मध्य प्रदेश शासन लिखे हुए वाहनों पर भी पड़ताल करिएगा। क्योंकि मध्य प्रदेश शासन लिखकर इन वाहनों में ज्यादातर दुरुपयोग होता है वह ऐसे होता है कि कई शाहबानो के दफ्तरों में लगे हुए वाहन क्षेत्राधिकार से बाहर जाते हैं तो उसमें पेट्रोल और डीजल सरकार का ही डालता है अगर इसकी न्याय संगत जांच कर ली जाए की किन-किन टोल टैक्स पर यह वहां महीने में कितनी बार क्रॉस होते हैं यह कितनी बार अपनी रिश्तेदारियों में यह मध्य प्रदेश शासन लिखी हुए वाहन जाते हैं अगर इसकी पड़ताल या आडिट करा ली जाए परिणाम चौंकाने वाले होंगे। अब देखना यह है कि मध्य प्रदेश के मुखिया इन मध्य प्रदेश शासन लिखे हुए वाहनों पर कौन सा चाबुक चलते हैं, ताकि सरकारी कर्मचारी और अधिकारी होने के कारण भी बे वजह बे मतलब मध्य प्रदेश शासन लिखे हुए वाहनों का दुरुपयोग ना हो सके।

डायमंड चौक से लेकर सतना बैरियर तक ही गायों का सड़क में तीन जगह जमावड़ा

आवागमन में दुघर्टनाओं को आमंत्रण माना जा रहा वहीं जिला प्रशासन के मुखिया के निर्देश को लेकर नपा की सजगकता सड़कों से ही स्पष्ट है। आवारा गायों को सड़कों से हटाने के लिए गौशाला तक पहुंचाने को लेकर कब जागेगा नपा प्रशासन

पन्ना। जिला प्रशासन के मुखिया का आदेश जहां समूचे जिले में चर्चा में है गौशालाओं में गायों को पहुंचाने के लिए पर पन्ना नगर में दिया तले ही अंधेरा जैसे हालात है। उदाहरण को लेकर डायमण्ड चौक से लेकर सतना बैरियर तक महज 400 मीटर के लगभग की दूरी पर ही तीन जगह गायों का सड़क में ही जमावड़ा जो आवागमन में दुघर्टनाओं के लिए आमंत्रण माना जा रहा है। वहीं सबसे बड़ा सवाल जिला प्रशासन के मुखिया के आदेश के बाद नपा प्रशासन के द्वारा कब इन सड़कों पर आवारा गायों को लेकर गौशाला तक पहुंचाने के लिए पहल की जायेगी क्या नपा प्रशासन के द्वारा इस आदेश को लेकर स्वयं की मनमानी के हालात बन गये है। सूत्रों की माने तो नगर के कई लोगों की पालतू गायें जो कहीं शासकीय जगह में चरते भी मिल गये। तो खदेड़ा लगावाकर बंद कर दी जाती है। वहीं जो सड़कों में खुलेआम गायें दुघर्टनाओं के आमंत्रण को लेकर देखी जा रही है। क्या ये नपा प्रशासन को नजर नहीं आती या यह माना जाये कि जिस तरह का आदेश माननीय जिला प्रशासन के मुखिया के द्वारा किया गया उसमें भी जहां जो मन आया उसको लेकर पालन कराने की कावयत बताई जाती है। पर जो वास्तविकता में जरूरी है पालन कराने को लेकर उसमें अनदेखी जैसे हालात बने हुए है। वैसे भी नपा प्रशासन में मनमानी को लेकर एक चर्चित कर्मचारी चौरसिया का नाम जनचर्चा में कई बार नगर में गूंज चुका है आखिर कार क्या गौशालाओं तक गायों को पहुंचाने के मामले में यह नाम आगे भी सुर्खियां बटोरेगा। जहां आम आदमी को लेकर समस्याओं को जन्म देने के लिए कार्यप्रणाली को अपनाना या फिर आम आदमी को सुविधायें प्रदान करने की दिशा को लेकर नपा प्रशासन के मूखिया मुख्य नगर पालिका अधिकारी पन्ना खुद हालातों पर गौर करेगें या फिर विवादों को जन्म देने के लिए जिस तरह से पूर्व में भी कई आरोप जड़ते चले आये है आगे भी वही हालात बने रहेगें। आखिर अपना नगर साफ-स्वच्छ तथा प्रशासन की भूमिका में जिला प्रशासन के मुखिया के आदेश का पालन कराये जाने को लेकर जिस तरह समूचे जिले में प्रशंसा हो रही है क्या नपा प्रशासन भी अमल करेगा। ताकि सड़कों में सतत जो गाये दिन हो या रात्रि बसेरा करने के लिए मजबूर है। इन गायों को कब गौशाला तक पहुंचाया जायेगा। वहीं जो आम आदमी की पालतू गायें है जिनमें तस्दीक हो रही है उन पालकों से चर्चा करके उन्हें समझाईस देकर प्रशासन को समय के साथ पालन कराने के लिए प्रेरित करना चाहिए या कि मनमानी करके लोगों को कलेक्टर के नाम पर परेशान करने के हालात को अंजाम देना उचित है। यह तो नपा के कर्मचारियों को ही स्वयं से ध्यान रखकर कार्यवाही को अंजाम देने की जरूरत मानी जा रही। साथ ही नपा प्रशासन के मुखिया को भी समय-समय पर ऐसी कार्यवाहियों को गौर करना क्या लाजमी नहीं। इस संबंध में मुख्य नगर पालिका अधिकारी पन्ना उमाशंकर मिश्रा से बात की गई तथा हालात को लेकर वास्तविकता पर अमल करने तथा आम आदमी को विश्वास में लेकर जागरूकता के साथ कार्य करने को लेकर जोर दिया गया। देखना यह है कि नेक कार्य नपा प्रशासन की भूमिका किस हालात तक कायम की जायेगीं।

डीएव्ही पन्ना, एनएमडीसी लि. के छात्र की जेईई एडवांस्ड 2025 में उल्लेखनीय सफलता

पन्ना। डीएव्ही पन्ना, एनएमडीसी मझगवां के छात्र मास्टर ओम द्विवेदी, कक्षा 12 (सत्र 2024) के उत्तीर्ण विद्यार्थी, ने जेईई एडवांस्ड 2025 परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑल इंडिया रैंक (एआईआर) 1157 प्राप्त की है। उन्होंने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भिलाई में कंप्यूटर साइंस शाखा में प्रवेश प्राप्त किया है। यह सफलता डीएव्ही पन्ना की उस गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाती है, जिसमें विद्यार्थी प्रति वर्ष आईआईटी, मेडिकल एवं अन्य राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संस्थान व क्षेत्र का नाम रोशन कर रहे हैं। जब इस सफलता पर प्रधानाचार्य पी. सी. सिंह से प्रतिक्रिया ली गई, तो उन्होंने बताया कि ओम द्विवेदी आत्मविश्वास से भरे हुए थे और उन्होंने यह विश्वास जताया था कि वे जेईई एडवांस्ड परीक्षा उत्तीर्ण करेंगे। प्रधानाचार्य ने अपनी प्रसन्नता विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष श्री आर. राजकुमार के साथ साझा की तथा उनके माध्यम से एनएमडीसी प्राधिकरण एवं सभी शुभचिंतकों को यह शुभ समाचार प्रेषित किया। इस उपलब्धि पर सभी ने ओम द्विवेदी को हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं। विद्यालय प्रबंधन, प्रधानाचार्य एवं समस्त शिक्षकों की ओर से ओम द्विवेदी को इस उत्कृष्ट उपलब्धि हेतु हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित की गई।

रैपुरा थाने से 200 मीटर दूरी पर भगवती मानव कल्याण संगठन व भारतीय शक्ति चेतना पार्टी जिला पन्ना, दमोह, कटनी के कार्यकर्ताओं ने रैपुरा थानांतर्गत पकड़ी 100 पाव प्लेन अवैध शराब

पन्ना। पुलिस का नशामुक्ति अभियान पूरी तरह फ़ैल भगवती मानव कल्याण संगठन ने फिर पकड़ी अवैध शराब धर्मसम्राट परमहंस योगीराज श्री शक्तिपुत्र जी महाराज के दिशा निर्देशन में भगवती मानव कल्याण संगठन व भारतीय शक्ति चेतना पार्टी के संयुक्त तत्वावधान में पूरे देश में नशामुक्ति जनांदोलन चलाया जा रहा है। आज मध्यप्रदेश के पन्ना जिले के रैपुरा थानांतर्गत पटी रोड पर 2 पेटी (कुल 100 पाव प्लेन) अवैध शराब पुलिस को सूचना देकर पकड़ी। 2 व्यक्ति जिनके नाम संतराम निवासी अमानगंज, दूसरा दीपराज निवासी छतरपुर एक मोटरसाइकिल बिना नंबर की 2 पेटी अवैध शराब ले जा रहे थे। संगठन ने अवैध शराब रैपुरा पुलिस को सौंपी व एफआईआर दर्ज कराई। भगवती मानव कल्याण संगठन व भारतीय शक्ति चेतना पार्टी का मुख्य उद्देश्य नशें-मांस, भय-भूख-भ्रष्टाचार, जातिवाद-छुआछूत, सांप्रदायिकता से मुक्त चेतनावान-चरित्रवान समाज के निर्माण करना।

खबर संक्षेप

खेत में कीटनाशक छिड़काव के दौरान करंट से किसान की मौत

छतरपुर।

सटई थाना की पड़रिया चौकी अंतर्गत टपरियन गांव में एक युवा किसान की करंट की चपेट में आने से दुखद मौत हो गई। बताया गया है कि अनेक पुत्र नन्नू यादव उम्र 22 वर्ष, सुबह 8 बजे अपने खेत में कीटनाशक दवा का छिड़काव करने गया था। इसी दौरान मोटर पंप के लिए बिछाए गए विद्युत तार की चपेट में आने से मौके पर ही उसकी मौत हो गई। परिजन पप्पू यादव ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही परिवार और ग्रामीण मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक अनेक की मृत्यु हो चुकी थी। शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल लाया गया है।

बस स्टैंड से हटाई गई शराब की दुकान

हरपालपुर। नगर के बस स्टैंड पर स्थित शराब दुकान का स्थानांतरण किए जाने के बाद ब्रह्माकुमारीज आश्रम, कॉलोनीवासियों और नगर की जनता ने प्रशासन, विधायक और पत्रकारों के सहयोग की सराहना की। ब्रह्माकुमारीज आश्रम परिवार, कॉलोनी निवासियों और हरपालपुर की जनता ने बस स्टैंड पर शराब की दुकान के स्थानांतरण के लिए कलेक्टर, एसडीएम, पूरे प्रशासन और क्षेत्रीय विधायक का हार्दिक आभार व्यक्त किया। गौरतलब है कि दुकान को स्थानांतरित कराने में पत्रकार महेंद्र विश्वकर्मा, आलोक रसिया, नरेंद्र सराफ, पुष्पेंद्र दीपू सोनी, संजय तिवारी, मनीष पांडे, शिवम सोनी, सुनील रिछारिया, कुलदीप वर्मा, अवधेश साहू, देवेंद्र कुशवाहा, पुष्पम पायक, सुरेंद्र सिंह राजावत और रिंकू मिश्रा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मारपीट के कारण हुई थी किसान की मौत

पुलिस पर लगे कार्रवाई न करने के आरोप

छतरपुर। जिले के बक्स्वाहा थाना क्षेत्र में एक किसान के साथ मारपीट के बाद उसकी मौत का मामला सामने आया है। पीड़ित परिवार ने पुलिस पर कार्रवाई में लापरवाही का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक कार्यालय में शिकायती आवेदन देकर दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। ग्राम जैतुपुरा, थाना बक्स्वाहा निवासी अमोल सिंह ने बताया कि वह कृषि कार्य करके अपने परिवार का भरण पोषण करता है। 17 जून को उनके पिता दयाराम सिंह ग्राम बगरौदा के हनुमान मंदिर दर्शन करने गए थे, जहां बैजनाथ दुबे उर्फ पैलू ने उनके साथ मारपीट की। ग्राम बगरौदा के खुमान लोधी, पप्पू लोधी और अन्य लोगों ने बीच-बचाव कर दयाराम को बचाया। गंभीर रूप से घायल दयाराम को बक्स्वाहा अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान 19 जून को उनकी मृत्यु हो गई। अमोल ने बक्स्वाहा थाने में शिकायत दर्ज की लेकिन आरोप है कि थाना प्रभारी सुनीता बिंदुआ ने कोई कार्रवाई नहीं की क्योंकि आरोपी बैजनाथ उनका रिश्तेदार है। अमोल ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आवेदन देकर आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और न्याय की मांग की है।

विशेष साइबर अभियान पुलिस ने खोजे 85 मोबाइल

साईबर ठगी के 7 लाख भी लौटाए, 47 लाख फ्रीज

छतरपुर

पुलिस ने न्याय पथ अभियान के तहत 15 दिवसीय विशेष साइबर अभियान चलाकर 25 लाख रुपये कीमत के 85 गुमशुदा मोबाइल और 4 अन्य डिवाइस बरामद करने की बड़ी कार्रवाई की है। इसके साथ ही वित्तीय धोखाधड़ी के मामलों में 47 लाख रुपये से अधिक की राशि फ्रीज की गई और 7 लाख रुपये से अधिक पीड़ितों के खातों में वापस करवाए गए। 62 फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट भी पुलिस ने बंद कराए हैं। मंगलवार को जिला मुख्यालय के पुलिस कॉन्फ्रेंस हॉल में पुलिस अधीक्षक द्वारा लोगों को उनके खोए हुए मोबाइल वापिस दिए गए हैं, जिन्हें पाकर उनके चेहरे खिल उठे।

पुलिस अधीक्षक अगम जैन ने बताया कि बरामद मोबाइल फोन छात्र-छात्राओं, मजदूरों, एनजीओ कर्मचारी, किसानों और महिलाओं के थे, जिन्हें वापिस हासिल करने के लिए साइबर सेल और विभिन्न थानों की टीमों ने त्वरित कार्रवाई की। तकनीकी पोर्टल के प्रशिक्षण के बाद पुलिस ने विभिन्न जिलों से 85 मोबाइल फोन ट्रेस किए, साथ ही मोबाइल चोरी में लिप्त 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर 4 अन्य डिवाइस भी बरामद की गईं।

62 फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट बंद, साइबर अपराधी गिरफ्तार

एसपी ने बताया कि वित्तीय धोखाधड़ी की शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए सिविल लाइन थाना और साइबर सेल ने राजस्थान के साइबर अपराधी विशाल कावडिय़ा को गिरफ्तार किया है, जबकि उसके अन्य साथियों की तलाश अभी जारी है। साईबर ठगी के मामलों में पुलिस कुल 47 लाख रुपये से अधिक की राशि खातों में फ्रीज कराने तथा 7 लाख रुपये से अधिक पीड़ितों को वापस करवाने में सफल रही। साइबर अभियान के तहत फेसबुक और इंस्टाग्राम पर 62 फर्जी और संदिग्ध अकाउंट भी बंद करवाए गए हैं। बरामद मोबाइल और धोखाधड़ी की राशि वापस पाकर आवेदकों ने पुलिस टीम का आभार व्यक्त किया। वहीं पुलिस अधीक्षक ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे अपरिचित कॉल, मैसेज या इंटरनेट लिंक के माध्यम से ओटीपी, पासवर्ड या निजी जानकारी साझा न करें। साइबर अपराध की स्थिति में तुरंत छतरपुर पुलिस हेल्पलाइन नंबर 7049101021, नजदीकी थाना या साइबर सेल से संपर्क करें।

बच्ची ने खेलते वक्त निगली चुंबक डॉ. मनोज चौधरी ने निकाली

छतरपुर। छतरपुर शहर के जैन परिवार की 6 वर्षीय बच्ची ने खेल-खेल में चुंबक निगल लिया था, जिसे जिला अस्पताल में बिना ऑपरेशन के सफलतापूर्वक निकाल लिया गया। बच्ची के उपचार ज छतरपुर के जाने-माने सर्जन डॉक्टर मनोज चौधरी ने बार फिर उत्कृष्ट भूमिका निभाई। प्राप्त जानकारी के मुताबिक छतरपुर निवासी पुनीत कुमार जैन की 6 वर्षीय बेटी मानवी जैन ने खेलते समय गलती से चुंबक निगल लिया। परिजन उसे तुरंत छतरपुर जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां सर्जन डॉ. मनोज चौधरी ने बिना ऑपरेशन के कुशलतापूर्वक चुंबक निकाला। बता दें कि डॉ. चौधरी बच्चों के गले में फंसी वस्तुओं जैसे सिक्के या अन्य चीजों को निकालने में माहिर हैं और अब तक सैकड़ों बच्चों का सफल इलाज कर चुके हैं। उनकी विशेषज्ञता की वजह से कई लोग बाहर से छतरपुर में इलाज के लिए आते हैं, जो आमतौर पर उलट स्थिति है, क्योंकि स्थानीय लोग बड़े शहरों में इलाज के लिए जाते हैं। पुनीत जैन ने डॉ. चौधरी और अस्पताल स्टाफ का आभार जताया, जिनके प्रयासों से मानवी स्वस्थ है।

कलेक्टर के पास पहुंचे आवारा मवेशियों से परेशान किसान

गौशाला की मांग को लेकर जनसुनवाई में दिया आवेदन

छतरपुर। छतरपुर जनपद की मोरवा पंचायत के रिक्शा पुरवा के किसान इन दिनों आवारा मवेशियों के आतंक से परेशान हैं। मंगलवार को किसानों ने जनसुनवाई में आवेदन देकर गांव में गौशाला निर्माण की मांग की है। उन्होंने बताया कि अन्य गांवों के लोग अपने मवेशियों को वनमंडल की जमीन पर छोड़ जाते हैं, जो उनकी फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। रिक्शा पुरवा के किसानों ने बताया कि गांव के पास वनमंडल की जमीन पर आसपास के गांवों के लोग अपने आवारा मवेशियों को छोड़ देते हैं, जो उनकी फसलों को नुकसान पहुंचाते हैं। गौवंश का आतंक इतना बढ़ गया है कि खेतों में काम करना मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि गांव में गौशाला का निर्माण कराया जाए ताकि आवारा मवेशियों को नियंत्रित किया जा सके और उनकी देखभाल हो सके। ग्रामीणों का कहना है कि गौशाला बनने से न केवल उनकी फसलों की सुरक्षा होगी, बल्कि मवेशियों की स्थिति भी सुधरेगी।

चोरी की घटनाओं में पुलिस नहीं कर रही जांच

पीड़ित परिवारों ने ने जनसुनवाई में लगाई कार्रवाई की गुहार

छतरपुर। हाल ही में बड़ामलहरा के अलग-अलग स्थानों पर हुई चोरी की घटनाओं के पीड़ित परिवारों ने मंगलवार को जनसुनवाई में आवेदन देकर पुलिस पर कार्रवाई न करने के आरोप लगाए हैं। पीड़ितों ने पुलिस पर शिकायतों की अनदेखी और संदिग्धों से पूछताछ न करने का आरोप लगाया है। बड़ामलहरा निवासी प्यारीबाई अहिरवार ने बताया कि 1 जुलाई को वह अपने परिवार के साथ घर से बाहर गई थीं, तभी अज्ञात चोरों ने उनके घर का ताला तोड़कर करीब 4 लाख रुपये की संपत्ति चुरा ली। उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज की, लेकिन सबूत और गवाह होने के बावजूद पुलिस ने संदिग्धों से पूछताछ नहीं की और कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसी तरह, प्यारे लाल सेन ने बताया कि कुछ दिन पहले उनके घर में भी करीब 5 लाख रुपये की चोरी हुई थी, लेकिन पुलिस ने उनकी शिकायत पर कोई जांच शुरू नहीं की। दोनों पीड़ितों ने जनसुनवाई में आवेदन देकर पुलिस से त्वरित जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

नशा मुक्ति अभियान के तहत थाना प्रभारी ने मजदूरों को दिलाई शपथ

छतरपुर।

पुलिस विभाग द्वारा चलाए जा रहे नशा मुक्ति अभियान के तहत मंगलवार को सिविल लाइन थाना प्रभारी ने छत्रसाल चौक पर मजदूरों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया और नशा न करने की शपथ दिलाई। इस दौरान पंपलेट-पोस्टर भी वितरित किए गए, साथ ही नशा संबंधी सूचना देने के लिए मोबाइल नंबर सार्वजनिक किया गया। सिविल लाइन थाना प्रभारी वाल्मीकि चौबे ने बताया कि मजदूरों के बीच पहुंचकर नशे के स्वास्थ्य और परिवार पर पडऩे वाले हानिकारक प्रभावों के बारे में बताया गया है। मजदूरों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई और नशामुक्त समाज के लिए प्रतिबद्धता जताने को प्रेरित किया। इस अवसर पर नशा विरोधी संदेशों वाले पंपलेट और पोस्टर वितरित किए गए। थाना प्रभारी ने अपना मोबाइल नंबर सार्वजनिक करते हुए कहा कि यदि कोई व्यक्ति नशा करते पाया जाता है, तो इस नंबर पर सूचना दी जाए। वाल्मीकि चौबे ने बताया कि यह अभियान समाज में नशे के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए चलाया जा रहा है।

एसपी ऑफिस के बाहर कुशवाहा समाज ने किया प्रदर्शन

पुलिस आरक्षक पर लगाए आरोप, कार्रवाई की मांग

छतरपुर। ओरछा रोड थाना क्षेत्र के ग्राम ढिलापुर से आए कुशवाहा समाज के लोगों ने मंगलवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय के बाहर धरना देकर एक पुलिसकर्मी पर फर्जी एफआईआर, रिश्वतखोरी, मारपीट और मोबाइल छीनने का आरोप लगाया। प्रदर्शन के दौरान जमकर नारेबाजी कर कार्रवाई की मांग की गई।

नगर पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन देते हुए ढिलापुर निवासी धनीराम कुशवाहा ने बताया कि दस दिन पहले उसके भाई के खिलाफ ओरछा रोड थाना में फर्जी एफआईआर दर्ज करा दी गई थी। इसके बाद यहां पदस्थ आरक्षक महेंद्र यादव ने धनीराम और उसके भाई को थाने बुलाकर सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक बिठाए रखा। धनीराम का आरोप है कि आरक्षक ने उससे 20 हजार रुपये की रिश्वत मांगी और पैसे न देने पर धारा 151 के तहत मामला दर्ज करने और अन्य फर्जी मामलों में फंसाने की धमकी दी। इतना ही नहीं, धनीराम का यह भी आरोप है कि आरक्षक ने थाने में उसके साथ मारपीट भी की और उसके भाई का मोबाइल भी छीन लिया। कुशवाहा समाज के जिलाध्यक्ष पूरन कुशवाहा के नेतृत्व में समाज के लोगों ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय के बाहर धरना देकर उक्त अन्याय के खिलाफ आवाज उठाई। ज्ञापन सौंपकर आरक्षक के खिलाफ सख्त कार्रवाई और लापता मोबाइल की बरामदगी की मांग की।

सावन सोमवार पर बम भोले मंदिर में हुआ 77वां रुद्राभिषेक

कामिका एकादशी के संयोग पर हुआ पार्थिव शिवलिंग पूजन

छतरपुर।

सावन के पवित्र महीने और कामिका एकादशी के संयोग में छतरपुर के बम भोले मंदिर में सावन सोमवार पर 77वें रुद्राभिषेक का भव्य आयोजन किया गया। मूसलाधार बारिश के बीच भक्तों ने पार्थिव शिवलिंग निर्माण और पूजन कर क्षेत्र की सुख-शांति की कामना की। उल्लेखनीय है कि हिंदू उत्सव समिति पिछले 18 वर्षों से सावन के प्रत्येक सोमवार को अलग-अलग मंदिरों में रुद्राभिषेक का आयोजन करती है। इस बार सावन के दूसरे सोमवार को नरसिंहगढ़पुरवा के प्राचीन बम भोले शंकर मंदिर में समिति का 77वां आयोजन संपन्न हुआ। समिति के अध्यक्ष पवन मिश्रा ने बताया कि सुबह 9 बजे से ही क्षेत्र की महिलाएं बड़ी संख्या में पार्थिव शिवलिंग बनाने के लिए मंदिर पहुंचीं और तीन घंटे में सारे

कॉपर शिवलिंगों से भर गए। दोपहर 1 बजे काशी के विद्वान आचार्य पंडित उमेश चंद्र वैदिक ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ रुद्री पाठ, रुद्राभिषेक, पूजन और हवन करवाया। शाम 5 बजे पूर्णाहुति के बाद भगवान भोलेनाथ की आरती, प्रसाद वितरण और विसर्जन हुआ। पूजन की समस्त सामग्री समिति ने उपलब्ध कराई। इस आयोजन के मुख्य यजमान मदन पटेरिया थे। समिति की प्रभा वेद, दीपाली चौधरी, बरखा मिश्रा, सिद्धांत पटेरिया, अनुजय पाठक, प्रिंस साहू, अभिषेक रावत, विकास मिश्रा, अनु रैकवार और हर्ष शुक्ला इस मौके पर मौजूद रहे।

जर्जर हुई हाई स्कूल की छत, टपकते पानी के बीच पढ़ रहे बच्चे

शिक्षा विभाग की अनदेखी पर उठे सवाल

लवकुशनगर। क्षेत्र के एक सरकारी हाई स्कूल की जर्जर इमारत में छात्र-छात्राएं जान जोखिम में डालकर पढ़ाई करने को मजबूर हैं। छत से गिरता मलबा और बारिश का टपकता पानी न केवल पढ़ाई में बाधा डाल रहा है, बल्कि बच्चों की सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा बना हुआ है।

मामला शासकीय हाई स्कूल ज्योराहा का है, जिसकी इमारत इतनी खराब हो चुकी है कि छत से आए दिन प्लास्टर और गिट्टी गिर रही है। ऐसे में बच्चों की जान को लगातार खतरा बना हुआ है। इसके साथ ही बारिश के दिनों में कक्षाओं में पानी टपक रहा है, जिससे किताबें और बस्ते भीग जाते हैं। यहां अध्ययनरत बच्चों ने बताया कि वे टपकते पानी और गिरते मलबे के बीच क्लासरूम में बैठ रहे हैं, कई बार वे मलबा गिरने से घायल भी हो चुके हैं। बच्चों के अभिभावकों ने स्कूल प्रबंधन और शिक्षा विभाग पर अनदेखी के आरोप लगाए हैं। उन्होंने प्रशासन से तत्काल मामले को संज्ञान में लेने और स्कूल भवन की मरम्मत अथवा नए भवन का निर्माण कराने की मांग की है, ताकि बच्चे सुरक्षित माहौल में शिक्षा ग्रहण कर सकें।

सावन में हो रहा अखंड रामधुन कीर्तन का आयोजन

खजुराहो। क्षेत्र के ग्राम टपरियन में सावन माह के दौरान ग्रामवासियों के सहयोग से अखंड रामधुन कीर्तन का आयोजन शुरू हुआ, जो एक माह तक चलेगा। यह धार्मिक आयोजन गांव की खुशहाली और उन्नति के लिए आयोजित किया जा रहा है, जिसमें सभी ग्रामवासी उत्साहपूर्वक हिस्सा ले रहे हैं। उल्लेखनीय है कि जनपद पंचायत राजनगर की ग्राम पंचायत लखेरी के टपरियन गांव में 11 जुलाई से 11 अगस्त 2025 तक अखंड रामधुन कीर्तन का आयोजन हो रहा है। ग्रामवासी वीरेंद्र रजक ने बताया कि प्रत्येक वर्ष सावन माह में गांव में धार्मिक आयोजन किए जाते हैं, और इस बार भी ग्रामवासियों के सहयोग से यह भव्य कार्यक्रम शुरू हुआ है। आयोजन में सरपंच डॉ. हरप्रसाद पटेल, सहायक सचिव महेश प्रसाद शुक्ला, पूर्व सरपंच संतोष पटेल, स्वामीदीन पटेल, पन्नालाल पटेल, बच्चू, धनीराम पटेल, विनोद और उत्तम पटेल ने प्रमुख रूप से सहयोग प्रदान किया। सभी ग्रामवासी इस धार्मिक आयोजन में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं, और यह कार्यक्रम गांव की सुख-शांति और समृद्धि के लिए समर्पित है।

जीएसको कंपनी दूधीचूआ मे लाखो की हुई चोरी पुलिस बनी मुकदर्शक

सिंगरौली। एनसीएल के दूधिचूआ परियोजना मे ओवी हटाने का कार्य कर रही जीएसको कंपनी के प्रबंध निदेशक के कमरे मे रात को अज्ञात चोरो ने जाली तोड़कर घुसकर पर्स मे रखे पचीस हजार नगद तथा राडो कंपनी की घड़ी जिसकी कीमत दो लाख रूपये से अधिक थी उसको चोरी कर ले गए तथा इसके अतिरिक्त चोरो ने अंदर रखे सभी कपड़ो व अन्य सामग्री को इधर-उधर बिखेरकर क्षतिग्रस्त कर दिया व पुरे कमरे को अस्त व्यस्त कर दिया!यह घटना न केवल आर्थिक हानि का कारण बनी है बल्कि कंपनी परिसर की सुरक्षा पर गंभीर प्रश्न चिन्ह करती है इसके पूर्व भी अज्ञात चोरो द्वारा कंपनी परिसर मे कई दफा चोरी की घटना को अंजाम दिया जा चूका है!वर्तमान मे भी 35,40 कबाड़ी धार-दार हथियारों से आते रहते है एवं चोरी जैसी गंभीर घटनाओ को अंजाम देते रहते है, आये दिन चोरो द्वारा 35, 40 का ग्रुप बनाकर कंपनी के कैम्प बाउंड्री को तोड़कर अन्दर घुसने का प्रयास करते है व चोरी की वारदात को अंजाम देते है!जिससे कंपनी के सुरक्षा गार्डो द्वारा रोकने पर मारपीट करने पर उतारू हो जाते है इनके ग्रुप मे महिलाये भी शामिल रहती है!कंपनी प्रबंधन ने चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराते हुए माँग की है कंपनी के कैम्प की तरफ पुलिस की पेट्रोलिंग हो जिससे कोई अप्रिय घटना भविष्य कारित न हो और चोरो व कबाड़ियों मे डर पैदा हो सके!आगे कंपनी प्रबंधन ने पुलिस प्रशासन से माँग की है अज्ञात चोरो के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करते हुए कानूनी कार्यवाही की जाये!

मोरवा पुलिस पर उठ रहे सवाल

मोरवा पुलिस की कार्यप्रणाली से सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे है कि आखिरकार ऐसे कौन चोर है और कहाँ से आये है जिसको पुलिस पकड़ने मे नाकाम हो रही है या तो पुलिस पकड़ना नही चाहती या पुलिस जानबूझकर अनजान बन रही है मोरवा क्षेत्र मे इस तरह कि बात लोग कर रहे है!जीएसको कंपनी मे हुए चोरी कि शिकायत जब कंपनी वाले करने गए तो पुलिस ने कोरम पूर्ति के लिए आवेदन तो ले लिया लेकिन उसकी पावती नही दी उसके बाद कंपनी के लोग पुलिस अधीक्षक कार्यालय आकर अलग आवेदन देकर पावती लिए!आखिर चोरी होने पर मोरवा पुलिस के द्वारा अनदेखी कर कार्यवाही न करना मोरवा पुलिस को सन्देह के घेरे मे डालता है!

पढ़-लिखकर पत्नी ने छोड़ा पति का साथ

पति ने कहा- बदसूरत बताकर दे रही जान से मारने की धमकी

छतरपुर।

शहर के ओरछा रोड थाना क्षेत्र के एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी पर पढ़-लिखकर साथ छोडऩे और बदसूरत बताकर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में शिकायती आवेदन देकर कार्रवाई की गुहार लगाई है।

ग्राम भगवंतपुरा निवासी विनोद अहिरवार ने बताया कि उसकी शादी जून 2023 में गोमती अहिरवार से हुई थी, जो उस समय 12वीं तक पढ़ी थी। विनोद ने कड़ी मेहनत कर अपनी पत्नी को आगे पढ़ाया-लिखाया, लेकिन अब गोमती पढ़-लिख जाने के बाद उसके साथ नहीं रहना चाहती। गोमती का कहना है कि विनोद सुंदर नहीं हैं, इसलिए वह उसके साथ नहीं रहेगी। विनोद ने बताया कि काफी समय से वह मायके में रह रही है और ससुराल वापिस आने को तैयार नहीं है। विनोद ने यह भी आरोप लगाया है कि गोमती उसे बदसूरत बताते हुए जान से मारने की धमकी भी दे रही है। विनोद ने पुलिस अधीक्षक से शिकायत कर न्याय की मांग की है।

खबर संक्षेप

एट्रोसिटी, पाक्सो और धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम के आरोपों आरोपी हुआ दोषमुक्त

रीवा। जिले के महिला थाना द्वारा दर्ज किए गए गंभीर आपराधिक मामले में विशेष पाक्सो न्यायालय रीवा ने सोमवार को अहम फैसला सुनाया। अदालत ने आरोपी शहवाज खान को एट्रोसिटी एक्ट, पाक्सो एक्ट और मध्य प्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम सहित दर्ज सभी धाराओं में दोषमुक्त करार दिया है। महिला थाना रीवा में 4 जनवरी 2025 को फरियाद के आधार पर शहवाज खान के विरुद्ध अपराध क्रमांक 2/2025 पंजीबद्ध किया गया था। मामले में भारतीय दंड संहिता की धारा 376(2)(n), 506, इसके साथ ही पाक्सो अधिनियम की धारा 3 एवं 4 और मध्य प्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम की धारा 3 एवं 5 के तहत मामला दर्ज किया गया था। आरोपी पर एक नाबालिग लड़की से बलात्कार, धमकी देने और जबरन धर्म परिवर्तन कराने के गंभीर आरोप लगाए गए थे। मामले की सुनवाई विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट की अदालत में चली। सुनवाई के दौरान अभियोजन द्वारा प्रस्तुत गवाहों और दस्तावेजी साक्ष्यों की जाँच की गई, जिनमें पर्याप्त कानूनी बल नहीं पाया गया। आरोपी की ओर से अधिवक्ता विक्रम सिंह एवं सहयोगी अधिवक्ता कृष्णेंद्र सिंह सेंगर ने न्यायालय में पक्ष रखा। न्यायालय ने समस्त साक्ष्यों और गवाहों की गहन विवेचना के उपरांत पाया कि अभियोजन अपने आरोपों को साबित करने में असफल रहा। इस आधार पर अदालत ने शहवाज खान को सभी आरोपों से दोषमुक्त कर दिया।

मनगवां में छात्रों के साथ वाटर ऑडिट गतिविधि का आयोजन

रीवा। नगर परिषद मनगवां में मध्यप्रदेश अर्बन सर्विसेज इम्प्रूवमेंट प्रोजेक्ट एडिशनल फाइनेंसिंग के अंतर्गत शासकीय माध्यमिक विद्यालय में वाटर ऑडिट गतिविधि का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग सौ छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को जल संरक्षण की महत्ता से अवगत कराना एवं नगर में संचालित जलावर्धन योजना की कार्यप्रणाली व उपयोगिता के बारे में जागरूक करना था। इस अवसर पर बच्चों को जल के उपयोग की वर्तमान स्थिति का मूल्यांकन करने की प्रक्रिया सिखाई गई। बच्चों को दैनिक जीवन में जल की बचत के बारे में बताया गया। वाटर ऑडिट की प्रक्रिया को विजुअल प्रेजेंटेशन एवं प्रैक्टिकल उदाहरणों के माध्यम से अत्यंत सरल एवं रोचक ढंग से समझाया गया, जिससे विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं को गहराई मिली। छात्रों ने जल कनेक्शन, जल गुणवत्ता, पाइपलाइन व्यवस्था तथा जल के स्रोतों से संबंधित कई महत्वपूर्ण प्रश्न पूछे, जिनके उत्तर विशेषज्ञों द्वारा प्रदान किए गए। बच्चों की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए उन्हें प्रशंसा प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार वितरित किए गए। इस संवाद से न केवल छात्रों में जल संरक्षण के प्रति चेतना विकसित हुई, बल्कि उन्होंने अपने परिवार एवं समुदाय को भी इस दिशा में जागरूक करने का संकल्प लिया। इस आयोजन का समन्वय सीडीओ शैलेश कुमार तिवारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सब इंजीनियर, फील्ड इंजीनियर, सोशल सेफगार्ड प्रोफेशनल, संविदाकार प्रतिनिधि एवं ईएचएस पर्यवेक्षक का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

कमिश्नर ने सीधी और सिंगरौली की नलजल योजनाओं की समीक्षा

रीवा। कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में कमिश्नर बीएस जामोद ने सीधी तथा सिंगरौली जिले की एकल नलजल योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। कमिश्नर ने कहा कि एकल नलजल योजनाओं के कार्य तय समयसीमा में पूरे कराकर इन्हें ग्राम पंचायतों को हैण्डओवर करें। निर्धारित लक्ष्य के अनुसार घरों में नल कनेक्शन करके पोर्टल पर जानकारी दर्ज करें। जिन पुनरीक्षित नलजल योजनाओं का कार्य कराने के लिए ठेकेदार सहमत हैं उनमें तत्काल कार्य शुरू कराएं। शेष नलजल योजनाओं में टेण्डर की कार्यवाही तत्काल करें। सिंगरौली जिले में 13 नलजल योजनाओं तथा सीधी जिले में 36 नलजल योजनाओं के कार्यादेश तीन दिवस में जारी करें। नलजल योजनाओं के कार्य की सतत मानीटरिंग रखें। निर्माण कार्य में लापरवाही बरतने वाले सहायक यंत्री और उपयंत्रियों के विरूद्ध कार्यवाही प्रस्तावित करें। निर्माण एजेंसियों से तय समय सीमा में निर्माण कार्य पूरे कराएं। बैठक में अधीक्षण यंत्री महेन्द्र सिंह ने नलजल योजनाओं की प्रगति की जानकारी दी।

आपदा में किसी की मौत न हो ऐसे प्रबंध करें - मुख्यमंत्री

किसानों को नैनो यूरिया और जैविक खाद के उपयोग के लिए प्रेरित करें, मुख्यमंत्री ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग से अधिकारियों को दिये निर्देश

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से अधिकारियों को बाढ़ की स्थिति में राहत और बचाव कार्य तथा खाद-बीज वितरण के संबंध में निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में अब तक औसत से 61 प्रतिशत अधिक वर्षा हो चुकी है।

हरिभूमि न्यूज, रीवा।

बाढ़ और अन्य प्राकृतिक आपदा के संबंध में पूर्वानुमान के अनुसार चेतावनी समय पर जारी करायें। सभी जिलों में उपयुक्त स्थलों पर राहत शिविरों का निर्माण करके पीड़ितों के आवास, भोजन, पानी, प्रकाश और उपचार की व्यवस्था करें। प्राकृतिक आपदा के समय राहत और बचाव के कार्य समुचित प्रचार प्रसार करें। आपदा के समय ऐसे प्रबंध करें की किसी की भी मौत न हो। आगामी त्यौहारों के दौरान ही कानून और व्यवस्था बनाये रखने के लिए समुचित प्रबंध करें। गणेश जी और दुर्गा जी की मिट्टी की प्रतिमा बनाने के लिए प्रोत्साहित करें। जन्माष्टमी, दशहरा, नवरात्रि तथा अन्य पर्व परंपरा के अनुसार मनाये।वीडियो कान्फ्रेंसिंग में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में खाद की पर्याप्त उपलब्धता है। खाद के वितरण पर कड़ी निगरानी रखें। नैनो यूरिया और जैविक खाद के उपयोग के लिए भी किसानों को प्रोत्साहित करें। खाद के रैक प्राप्त होने तथा जिले में उपलब्धता के संबंध में आमजनता को विभिन्न संचार माध्यम से लगातार सूचनाएं दें। अमानक खाद और बीज बिक्री करने वालों पर कड़ी कार्यवाही करें। खाद किसानों के घर तक पहुंचाने की व्यवस्था भी की जा सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राकृतिक आपदा पीड़ितों राहत राशि वितरण के साथ-साथ बीमा सुरक्षा का भी लाभ दें। जिला स्तर पर बीमा सलाहकार समिति गठित करें। प्राकृतिक आपदा में राहतमद 6-4 से राहत शिविरों के लिए भी राशि का प्रावधान है इसका उपयोग करें। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को एयर एम्बुलेंस सेवा के उपयोग राहगिरी योजना, उद्योग संवर्धन केन्द्र को सक्रिय बनाये रखने तथा जिला स्तर पर 20 सदस्यों की जिला विकास समिति गठित करने के निर्देश दिये।वीडियो कान्फ्रेसिंग में कमिश्नर कार्यालय के व्हीसी कक्ष से कमिश्नर बीएस जामोद, डीआईजी राजेश सिंह तथा अन्य अधिकारी एवं कलेक्टर कार्यालय से कलेक्टर प्रतिभा पाल, अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी, आयुक्त नगर निगम डॉ. सौरभ सोनवणे तथा अन्य अधिकारी शामिल रहे।

दुकान का ताला तोड़कर नकदी सहित लाखों की सामग्री चोरों ने किया पार

रीवा।

शहर के चोरहटा थाना के नौबस्ता पुलिस चौकी अंतर्गत आने वाले छिजवार में चोरों ने दुकान का ताला तोड़कर नकदी सहित लाखों का सामान पार कर दिया है। घटना की शिकायत पीड़ित ने नौवस्ता पुलिस ने चोरी का प्रकरण पंजीबद्ध कर मामले को विवेचना में लिया है। छिजवार निवासी पूर्व सरपंच प्रतिनिधि रामपाल सिंह पप्पू ने बताया कि टावर कॉलोनी छिजवार में उसकी अहरी है पर वर्कशॉप भी है जहां ट्रैक्टर ट्राली निर्माण का कार्य होता है। बताया गया कि चोरों ने रात में दुकान का ताला तोड़कर दो बोरी मूंग, एक डीजे मशीन ,दो डीजे बक्शा ,दो अपर लाइट, एक समर्सियल विद्युत पंप, एक ग्राइडिंग मशीन सहित काउन्टर में रखें पैसे सहित लगभग चार लाख रुपए का सामान चोर चुरा ले गए । घटना की जानकारी के बाद पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस से की है। जिसके बाद पुलिस प्रकरण पंजीबद्ध कर मामले को विवेचना में लिया है। नौबस्ता पुलिस ने बताया कि छिजवार में रामपाल सिंह के यहां चोरी की वारदात हुई है जिसका प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है मामले में विवेचना जारी है चोरों का शीघ्र पता लगा लिया जाएगा।बॉक्स पूर्व में भी हो चुकी है कई वारदात बता दे इन दिनों नौबस्ता चौकी क्षेत्र में चोरों ने आतंक फैला के रखा है। आए दिन क्षेत्र अंतर्गत चोरों की गैंग किसी न किसी प्रतिष्ठान या घर को निशाना बना रही है। वही पुलिस के हाथ अभी भी खाली है। जिससे कारण अब क्षेत्रीय लोग दहशत पर हैं।

पीएचई कार्यपालन यंत्री की डिग्री पर उठे सवाल

दो माह से ढूंढी जा रही इंजीनियरिंग की अंकसूची

हरिभूमि न्यूज, रीवा।

भोपाल तक अधिकारियों में हलचलरीवा। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई) में कार्यपालन यंत्री के पद पर तैनात एक कार्यपालनयंत्री की शैक्षणिक योग्यता को लेकर इन दिनों विभागीय गलियारों में गहमागहमी का माहौल है। मऊगंज में पदस्थ कार्यपालन यंत्री संजय पांडेय की इंजीनियरिंग डिग्री का सत्यापन फिलहाल सवालों के घेरे में है। प्रमुख अभियंता कार्यालय से लेकर अधीक्षण यंत्री और यहां तक कि ईएनसी कार्यालय भोपाल तक इस मुद्दे को लेकर लगातार पत्राचार किया जा रहा है, लेकिन पांडेय की मूल डिग्री अब तक सामने नहीं आई है।जानकारी के अनुसार, प्रमुख अभियंता संजय अंधवान ने 14 जुलाई को संजय पांडेय को पत्र भेजकर उनके द्वारा नियुक्ति के समय प्रस्तुत किए गए समस्त शैक्षणिक दस्तावेजों की सत्यापित प्रतियां मांगी थीं। उन्हें 18 जुलाई तक सभी दस्तावेज जमा करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन तय समयसीमा निकल जाने के बावजूद संबंधित कार्यालय को कोई दस्तावेज प्राप्त नहीं हुए।वही 19 जुलाई को जबलपुर परिक्षेत्र के मुख्य अभियंता कार्यालय से भी एक रिमाइंडर जारी हुआ, जिसमें कार्यपालन यंत्री से तत्काल दस्तावेज जमा करने को कहा गया। इसके बावजूद अब तक कोई ठोस जानकारी या दस्तावेज विभाग को नहीं मिले हैं। बताया जा रहा है कि यह पत्राचार 14 मई से चल रहा है, लेकिन लगभग दो महीने बीत जाने के बाद भी संजय पांडेय की डिग्री और अंकसूचियाँ अधर में लटकी हुई हैं।बॉक्स रीवा में ठेका कंपनी से जुड़े विवाद के बाद बढ़ी संवेदनशीलताबता दे संजय पांडेय जल जीवन मिशन में एक ठेका कंपनी को अनुचित लाभ पहुंचाने के आरोपों के बाद चर्चा में आए थे। इसी के बाद उन्हें रीवा से स्थानांतरित कर मऊगंज भेजा गया, लेकिन रीवा मंडल का अतिरिक्त प्रभार अब भी उनके पास ही है। बॉक्स विधानसभा सचिवालय ने भी मांगी रिपोर्टइस मामले की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि मध्यप्रदेश विधानसभा सचिवालय ने भी पीएचई विभाग से इस संबंध में जानकारी तलब की है। एक तारांकित प्रश्न के तहत मंत्री से पूछे गए सवालों के जवाब में, विभाग को 23 जुलाई तक संजय पांडेय की शैक्षणिक योग्यता और सेवा संबंधी विवरण उपलब्ध कराने का निर्देश मिला है।

जनसुनवाई में 104 प्रकरणों में की गई सुनवाई

हरिभूमि न्यूज, रीवा।

कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई में अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी ने 104 आवेदकों की समस्यायें सुनीं। उन्होंने प्राप्त आवेदनों को संबंधित विभागीय अधिकारियों को कार्यवाही हेतु प्रेषित किया। जनसुनवाई में रमाकांत द्विवेदी बूक, पूजा साकेत एवं रीता साकेत खैरी तथा भैयालाल साकेत खैरा ने बाढ़ प्रभावित क्षतिग्रस्त मकान का मुआवजा प्रदाय करने का आवेदन दिया। अपर कलेक्टर ने तहसीलदार हुजूर को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिये। राजकुमार साकेत सदहना निवासी ने अवैध कब्जा कर भूमि विक्री किये जाने पर रोक का आवेदन दिया जबकि रेसआ निवासी रंगदेव पटेल ने अवरूद्ध रास्ता खोले जाने का आवेदन दिया। संबंधित आवेदनों को तहसीलदारों को भेजकर कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। मनुरिहाई निवासी बाल किशोर मिश्रा ने सीमांकन का आवेदन दिया तहसीलदार को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। शोभादेवी साकेत पथरी निवासी एवं रामभान तिवारी ढेकहा के उपचार सहायता के आवेदनों पर सीएमएचओ को कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। वार्ड क्रमांक 10 रीवा शहर के निवासी सौरभ सिंह के अन्त्तजातीय विवाह प्रोत्साहन सहायता राशि प्रदाय के आवेदन को आदिम जाति कल्याण विभाग को तथा रमाकांत द्विवेदी सेमरिया निवासी के लक्ष्मणबाग की भूमि से अतिक्रमण हटाने के आवेदन को एसडीएम को भेजकर कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देश दिये गये। जनसुनवाई में विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने कृषि विभाग एवं नापतौल कार्यालय का किया औचक निरीक्षण

रीवा।

कलेक्टर प्रतिभा पाल ने शिल्पी प्लाजा ए ब्लाक में संचालित कृषि विभाग एवं नापतौल विभाग के कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया। कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान उपस्थिति पंजी, बिल बाउचर, रिकार्ड संधारित सहित कृषकों को प्रदाय किये जाने वाले लाभ से संबंधित योजनाओं के रजिस्टर का गहन निरीक्षण किया। कलेक्टर ने कृषि विभाग द्वारा संचालित प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, ईकेवायसी, बीज वितरण, खाद की उपलब्धता एवं फसल बीमा की प्रगति के संबंध में उप संचालक से जानकारी प्राप्त की तथा सभी योजनाओं का पात्र हितग्राहियों को समय सीमा में लाभ प्रदाय के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि किसानों को योजनाओं की जानकारी समय में दें तथा शिकायतों के निराकरण के लिये एक विशेष काउंटर स्थापित करें। उन्होंने रिकार्ड के डिजिटाइजेशन, कार्यालय की साफ-सफाई के निर्देश देते हुए कहा कि यह विभाग जनता की विशेषकर किसानों की सेवा के लिये स्थापित विभाग है। विभाग के अधिकारियों को तत्परता से सेवा भाव के साथ कार्य करने के निर्देश निरीक्षण में कलेक्टर ने दिये। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर द्वारा नापतौल विभाग में कर्मचारियों के समय से उपस्थित न रहने पर नाराजगी व्यक्त की तथा निर्देश दिये कि नियत समय में सभी कार्यालय में उपस्थित रहे। अनुपस्थित कर्मचारियों के विरूद्ध कार्यवाही के निर्देश कलेक्टर द्वारा दिये गये। उन्होंने नापतौल से संबंधित प्रकरणों के संबंध में पूंछताछ की तथा लंबित प्रकरणों के निराकरण में देरी पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने निर्देश दिये कि उपकरणों की जांच प्रक्रिया में पारदर्शिता लायें तथा किसी भी प्रकार का विलंब व देरी न करें अन्यथा अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी। निरीक्षण के दौरान एसडीएम हुजूर वैशाली जैन, संयुक्त कलेक्टर श्रेयस गोखले उपस्थित रहे।

कलेक्टर की जनसुनवाई में निरीह महिला की मार्मिक पुकार, राशन तो दिला दो सरकार! लंबे अर्से से सेल्समेन और रिश्तेदार मेरे हक का राशन खाकर नहीं ले रहा डकार, मेरी विनती सुनो सरकार!

मऊगंज। जिले के लौर थाना अंतर्गत ग्राम गनिगवां की निवासी रानी प्रजापति नामक महिला को उसके अधिकार का राशन नहीं मिल रहा है।

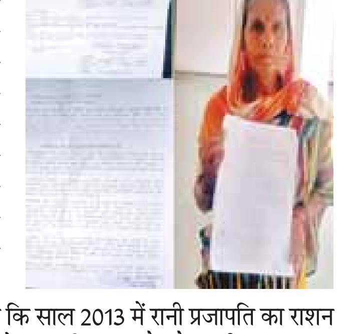

फरियादी महिला का आरोप है कि उसका बी.पी.एल. राशन कार्ड होने के बावजूद पिछले लंबे समय से उसे खाद्यान्न से वंचित रखा जा रहा है।महिला ने मऊगंज के अनुविभागीय अधिकारी को दिए आवेदन में आरोप लगाया है कि दुकानदार और उसका ससुर कन्हैयालाल प्रजापति मिलकर उसके हिस्से का राशन खुद ले रहे हैं।

आवेदन में यह भी उल्लेख है कि साल 2013 में रानी प्रजापति का राशन कार्ड बना था, फिर भी न तो उसे राशन मिल रहा है और न ही उसका नाम दुकान की सूची में चढ़ाया जा रहा है।इतना ही नहीं, महिला ने बताया कि न्यायालय में आरोपी के विरुद्ध पूर्व से ही मारपीट और भरण-पोषण का मामला चल रहा है इसके बावजूद स्थानीय राशन दुकानदार आरोपियों को खुलकर राशन उपलब्ध करवा रहे हैं, जबकि पीड़िता भूखी रहने को मजबूर है।फरियादिनी का कहना है कि उसकी भरण-पोषण की राशि तक रोक दी गई है उसके बच्चे भूख से रह रहे हैं। पीड़िता ने प्रशासन से मांग की है कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए और उसे उसका हक का राशन मिलना सुनिश्चित किया जाए।

पीएचई विभाग के कर्मचारी के स्कूटी की डिग्गी से बदमाशों ने उड़ाए 70 हजार रुपए

रीवा। जिले के बैकुंठपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत सोमवार को अज्ञात बदमाशों ने स्कूटी की डिग्गी खोलकर 70 हजार रुपए पार कर रफूचक्कर हो गए, जिसके बाद घटना की शिकायत पीड़ित तेजमणि प्रसाद मिश्रा पुत्र रामखेलावन मिश्रा निवासी सेमरा ने बैकुंठपुर थाना में दर्ज करवाई है। पुलिस प्रकरण पंजीबद्ध कर पूरी घटना की जांच कर रही है। पीड़ित के मुताबिक वह इण्डिय बैंक से सोमवार को 70 हजार रुपए निकाला और उसे स्कूटी की सीट के नीचे डिग्गी में रख दिया था। पीड़ित ने बताया कि पैसा निकालने के बाद वह बैकुंठपुर बाजार में पशु आहार लेने एक दुकान के बाहर स्कूटी खड़ी किया और अंदर सामग्री लेने चला गया। जब वह बाहर आया तो देखा की स्कूटी की डिग्गी खुली है और पैसा गायब है, जिसके बाद उसने आसपास के लोगों से घटना बताई लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। आनन फानन में पीड़ित बैकुंठपुर थाना पहुंचा और पूरी घटना पुलिस को बताई, जिस पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस अधीक्षक ने सृजन कार्यशाला को बताया उपयोगी, प्रशिक्षित छात्रों को बांटे गये प्रमाणपत्र

मऊगंज

सृजन कार्यक्रम मऊगंज पुलिस विभाग एवं अहिंसा वेलफेयर सोसायटी मऊगंज एवं समग्र जन चेतना विकास परिषद रीवा के नेतृत्व में हुआ 2 जुलाई को कार्यक्रम शुभारंभ किया गया जहां निरंतर पुलिसिंग कार्यक्रम से जोड़कर लगातार प्रशिक्षण दिया गया साथ ही आत्मरक्षा के लिए विविध विषयों पर जानकारी साझा की गई इसमें 50 छात्रों को निरन्तर 21 जुलाई तक मास्टर ट्रेनर सुनीता चौरसिया और समन्वयक सुरेन्द्र प्रसाद चतुर्वेदी ने क्षमता वर्धन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की पूजा उपरांत किया गया मऊगंज जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा अनुसार पुलिस अधीक्षक दिलीप सोनी ने कार्यक्रम की निगरानी की जाती रही है बतौर मुख्य वक्ता पुलिस अधीक्षक ने बताया कि यह मऊगंज में किशोरी बच्चियों का सशक्त बनाने का बड़ा अच्छा प्रयास रहा है यह लगातार 18 दिवसीय प्रशिक्षण प्राप्त बच्चियों को ग्राम में आत्मरक्षा लैंगिक सकारात्मक सोच का विकास होगा इसी दौरान सामुदायिक पुलिसिंग से सामंजस्य हुआ जिससे पुलिस और बच्चियों के झिझक भी दूर हुआ है। और यह कार्यक्रम मऊगंज जिले के लिए उपयोगी है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह ने बच्चों को नशामुक्त हेतु शपथ दिलाई गई । कहानियां सुनाकर बच्चों को नशा से देरी, ये है बहुत जरूरी का अभियान समझाया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन अहिंसा वेलफेयर सोसायटी रीवा समन्वयक सुमित सिंह ने किया।सृजन कार्यक्रम - अहिंसा वेलफेयर सोसायटी मऊगंज समन्वयक सुरेन्द्र प्रसाद चतुर्वेदी ने जानकारी दी कि सभी सहभागी अभ्यर्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किया गया साथ ही नशा न करने की टिप्स दी गई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से एसडीओपी सचि पाठक, सतानंद मिश्र, अहिंसा वेलफेयर सोसायटी मऊगंज टीम ज्ञानेंद्र धर द्विवेदी, आशीष कुमार शुक्ला, रीवा टीम आरती पटेल, चक्रपाणि मिश्रा, महिला बाल विकास विभाग मऊगंज की टीम, एफएलसी बैंक रामरतन मिश्रा, विद्यालय स्टाप, महिला बाल विकास विभाग मऊगंज के परिवेक्षक आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मौजूद रहे हैं।